प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उर्वरकों का उचित उपयोग एवं प्रबंधन पर किसान गोष्ठी का आयोजन

पंतनगर। 26 जुलाई 2021। विश्वविद्यालय में आईसीएआर, नई दिल्ली के तत्वाधान में मनाये जा रहे भारत का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत गृहविज्ञान महाविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना द्वारा 'उर्वरकों का उचित उपयोग एवं प्रबंधन' विषय पर वर्चुअल किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में कार्यक्रम समन्यवक, कृषि विज्ञान केन्द्र काशीपुर, डा. जितेन्द्र क्वात्रा; हैड, प्रोडक्ट डेवलपमेंट एण्ड टैक्नोलॉजी सेल, क्रिस्टल क्रॉप प्रोडक्शन, नई दिल्ली, डा. जे.एस. शंकर एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ, डा. अजय प्रभाकर उपस्थित थे।

डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने कहा कि कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए किसानों द्वारा उर्वरकों एवं कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे मृदा का स्वास्थ्य खराब हो रहा है और पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने उर्वरकों का उचित समय एवं मात्रा में उपयोग करने और खाद एवं उर्वरकों के अंतर के बारे में भी जानकारी दी।

डा. जे.एस. शंकर ने कीटनाशक एवं उर्वरकों के उपयोग की तकनीकियों के बारे में बताते हुए कहा कि आजकल किसान का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना हो गया है जिसके लिए वह खाद व दवा का अंधाधुंध उपयोग कर रहे है। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम खेती हेतु बीज का संरक्षण एवं शोधन अति आवश्यक है जिससे उसमें बीमारियां ना हों। शोधन हेतु अच्छी दवा का भी चुनाव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेत में दवा, कीटनाशक का छिड़काव करते समय उचित छिड़काव यंत्र एवं मशीन में सही आकार के नोजल का उपयोग करना चाहिए जिससे सही मात्रा में दवा सही जगह पर गिरे तथा पौधों को उसका उचित लाभ मिल सकें जिससे कम लागत में ज्यादा उत्पादन मिल सकेगा।

डा. अजय प्रभाकर ने मिट्टी की जांच के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि मिट्टी में एक ही प्रकार की फसल बार-बार उगाने से मिट्टी की उत्पादन क्षमता कम हो जाती है। उन्होंने मिट्टी की जांच करते समय नमूना किस प्रकार लें, मिट्टी के नमूने को किसमें भंडारित करें जिससे वह मिट्टी दूषित ना हो एवं सही जांच परिणाम के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन डा. रितु सिंह द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम डा. दीपा विनय एवं सीमा क्वात्रा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ऊधमसिंह नगर, काशीपुर, सितारगंज, खटीमा से लगभग 35 किसानों ने प्रतिभाग किया।